

3 April The Hindu

The many and different faces of terror

(आतंकवाद) Paper-III

- असममित युद्धों (एसमिटीक वारफेयर) का जाना पहचाना रूप है आतंकवाद। असममित युद्ध में दो पक्षों के बीच युद्ध होता है, जिसमें एक तरफ पेशेवर आर्मी तथा दूसरी और आतंकवादी संगठन होते हैं। आतंकवादी संगठन, पेशेवर आर्मी से काफी कम कुशल व अल्प संसाधन संपन्न होते हैं उनके पास तकनीकी व आधुनिक हथियारों की कमी होती है।
- कुछ आतंकी घटनाएँ ऐसी हुई जिन्होंने अन्य आतंकी घटनाओं की अपेक्षा अधिक गहरी छाप छोड़ी। जैसे-1972 में म्यूनिख ओलंपिक हत्याकांड, 2001 में न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला, 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए बम ब्लास्ट आदि।

पृष्ठभूमि

- 1980 के दशक के बाद कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथ प्रमुख आतंकी गुट रहा, जिसके द्वारा विभिन्न आतंकी गतिविधियों व हिंसा को अंजाम दिया गया। इन आतंकी संगठनों द्वारा अन्य आतंकवादी संगठनों से गठजोड़ करके अपनी पहुंच को अंतर्राष्ट्रीय बनाया जा रहा है। नए संगठन जैसे- अलकायदा, इस्लामिक स्टेट (IS), लश्कर ए. तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और अफ्रीका के बोको हराम जैसे संगठन भी बहुत घातक हैं।
- हाल ही में विशेष रूप में पश्चिमी देशों में अत्यधिक दक्षिणपंथी तत्व द्वारा हिंसक गतिविधियों को अंजाम दिया गया है। ऐसे हमले कम संगठित होते हैं और व्यक्तिगत रूप से किसी घटना को अंजाम देते हैं। इन व्यक्तियों द्वारा किसी चरमपंथी विचार धाराओं के प्रभाव में आकर व्यक्तिगत रूप से संसाधन जुटा कर हमले किए जाते हैं। ये हमले असंगठित होते हैं लेकिन इन हमलों के बढ़ते हुए संगठित गठजोड़ की संभावना को रोकने का प्रयास किया जाना चाहिए। ताकि इन्हें अन्य आतंकवादी हमलों की तरह सुनियोजित व संगठित होने से रोका जा सकें।
- 21वीं सदी में आतंकवाद का विकास और आतंकी समूहों की लगातार बदलती रणनीति 'अस्तित्व के लिए खतरा' पैदा कर रही है। 2016 में पाकिस्तानी आतंकी संगठन द्वारा पठानकोट हमला व उरी हमला किया गया, जिसके अंतर्गत सेना के ठिकाने को निशाना बनाया।
- हाल ही में पुलवामा में केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के काफिले को निशाना बनाया गया। इस हमले में आत्मघाती हमलावर द्वारा विस्फोटक युक्त वाहन से हमला किया गया इस तरह के हमले को आत्मघाती हमला कहा जाता है जिसमें हमलावर द्वारा स्वयं को खत्म कर लिया जाता है। ऐसे हमले वर्तमान में सुरक्षा बलों व भारत की सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि इन हमलों का पूर्वानुमान कर पाना कठिन होता है। यह आतंकवाद का नया रूप है जिसमें इसकी बदली हुई प्रकृति दिखाई देती है।

प्रमुख आतंकी हमले-

- वैश्विक स्तर पर जिहादी हमले बढ़ रहे हैं। जनवरी 2019 में फिलीपींस में एक आईएस (IS) के समर्थक द्वारा एक चर्च में 20 लोगों की हत्या कर दी गई थी। वहीं ब्रिटेन में (2018-19) के नव वर्ष पर आईएस समर्थक द्वारा मैनचेस्टर स्टेशन पर हमला किया गया।
- इसी साल मार्च में लंदन के एक ट्रांसपोर्ट हब में विस्फोटक पाए गए थे। मार्च में ही नीदरलैंड में एक जिहादी हमलावर द्वारा अंधाधुंध गोलियाँ चलाई गईं, जिसमें 50 लोगों की जान गई।
- इन आतंकवादी घटनाओं का बढ़ता कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकी समूहों के बीच धारणाओं व विचारों का आदान-प्रदान है।
- 1980 के दशक में सीरिया और ईराक की हिंसा ने विश्व को प्रभावित किया। वर्तमान में एशिया यूरोप और अफ्रीका में मौजूद आतंकवादी समूहों की गठजोड़ चिंता का विषय है।
- आईएस द्वारा अपने समर्थकों की गतिविधियों को संगठित व विस्तार दिया जा रहा है एवं इसके द्वारा प्रशिक्षित समर्थकों को अपने-अपने मूल देश लौट जाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि वे वहां पहुंचकर आईएस संगठन का मजबूतीपूर्वक विस्तार करें।

लोन वुल्फ अटैक - हाल ही में लोन वुल्फ अटैक का आतंकी विचार चर्चा में रहा है, इसमें आतंकी द्वारा घात लगाकर हमले को अंजाम दिया जाता है। इस हमले में किसी आतंकी द्वारा व्यक्तिगत रूप से संसाधन जुटाकर हमला किया जाता है। दिसंबर 2018 में एक अकेले आईएस बंदूकधारी ने फ्रांस में 5 लोगों की हत्या कर दी थी। जनवरी 2019 में सीरिया के एक रेस्तराँ में एक आत्मघाती हमलावर ने 19 व्यक्तियों को मार डाला था।

- अलकायदा एक अन्य जिहादी संगठन है जिसके द्वारा आतंकी नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। पाकिस्तान द्वारा अल-कायदा, लश्कर व हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों को प्रशिक्षित व विस्तारित किया जा रहा है। इस पर संपूर्ण विश्व को एकजुट होकर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

आतंकवाद के कारण-

- बाह्य शक्तियों का प्रभाव
- शिक्षा व उचित पथ -प्रदर्शन का अभाव
- आजीविका की समस्या
- राजनीतिक कुचक्रों का परिणाम

परिणाम

- सरकार के प्रति अविश्वास की भावना व असुरक्षा की भावना का उदय।
- दंगे-फसाद को बढ़ावा
- राष्ट्रीय एकता व आर्थिक स्थिति में बाधक

आतंकवाद को रोकने के उपाय

- आतंकवाद को दूर करने लिए सरकार पुलिस अर्द्ध-सैनिक-बल, सेना ऑपरेशन ब्लू स्टार जैसी कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए
- उचित नैतिक शिक्षा आतंकवाद समर्थित बाह्य शक्तियों का कठोरतापूर्वक दमन, जन-जागरूकता सीमाओं पर कठोर नियंत्रण राजनीतिक एकता आदि।
- हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवाद को खत्म करने के लिए चार रणनीतियों पर ध्यान केन्द्रित किया।
 1. सरकारें, सुरक्षा एजेंसी और कानून लागू करने वाली संस्थाएं, आतंकवादी नेटवर्क का पता लगाए, तथा उन्हें खत्म करने के लिए रणनीतियों को साझा करें।
 2. दुनिया ने आतंकवाद से जूझते देशों की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र क्या कर सकता है।
 3. विदेशी आतंकवादी लड़कों की तरफ से उत्पन्न खतरों से निपटना।
 4. आतंकवाद का खतरा किसी भी राष्ट्र की सीमाओं में बंधा नहीं है इसलिए वैश्विक क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर विभिन्न पक्षों को मिलकर प्रयास करना होगा।

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

1. हाल ही में सुर्खियों में रहा लोन वुल्फ अटैक से आप क्या समझते हैं।
 - (a) इसमें किसी आतंकी द्वारा व्यक्तिगत रूप से संसाधन जुटाकर हमला किया जाता है।
 - (b) इसमें आतंकी संगठन द्वारा सुनियोजित हमला किया जाता है।
 - (c) इसमें विभिन्न आतंकी गुटों द्वारा श्रृंखला बनाकर हमला किया जाता है।
 - (d) इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिहादी समर्थकों द्वारा आतंकी नेटवर्क का विस्तार किया जाता है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न- आतंकी गतिविधियों के बदलते स्वरूपमें संपूर्ण विश्व को सुरक्षात्मक उपायों को लेकर पुनर्विचार हेतु बाध्य किया है। भारत में आतंकी घटनाओं के प्रतिरोधात्मक उपाय हेतु सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? चर्चा कीजिए।

